ट्रेन के सफर - पति की कारसतानियां - डेजी परवीन

मेरा नाम डेजी परवीन है, शादी कुछ ही महीने पहले हुई है, मेरा रंग सावला है, बदन भरा हुआ, तीखे नाक नक्श, सुन्दर चेहरा और आकर्षक बदन की मालकिन हूं. शादी के कुछ ही दिनो के बाद मुझे एहसास हो गया कि मेरे पति कुछ विचित्र प्रकार की प्रविति के मालिक है. बिस्तर पर मुझसे गंदी गंदी बाते करते थे और ऐसा लगता था कि किसी और से संबन्ध रखने को उकसाते थे. पहले तो मैने कुछ खास प्रतिरोध नही किया पर जब एक बार उन्होने मुझसे सीधे सीधे ये बात कही कि मै उनके एक दोस्त के साथ एक रात गुजार लूं और वो छुप कर देखेंगे तो मेरा गुस्सा फट पड़ा. मैने चिल्लाकर कहा, "आपने मुझे समझ क्या रखा है, मै मरते मर जाऊंगी पर किसी और को खुद को हाथ लगाने नही दूंगी." उन्होने मुझे गुस्से से देखा और धीरे से कहा, "देखते है." उसके बाद २ महीने तक उन्होने फिर वो बात दुबारा नही की.

हमें एक शादी में जाना था, १८ घण्टे का सफर था. जाना जरूरी था तो मेरे शौहर ने रिजर्वेशन करवा लिया. मैने मैरून कलर की साड़ी पहनी और डीप गले का ब्लाऊज, पहली बार अपने शौहर के साथ बाहर जा रही थी तो खूब मेकअप किया. २१ साल की मेरी जवान बदन बहुत फब रहा था. मेरी सास ने मेरी नजर उतारी और मै अपने शौहर के साथ निकल पड़ी. उन्होने बताया कि रिजर्वेशन एक जगह नही मिला है, कुछ कम्पार्मेंट के बाद मेरी सीट है. उन्होने बताया कि ट्रेन मे सीट चेंज करवा लेंगे. स्टेशन पहुंच कर उन्होने कहा कि सारे पैसे मै उन्हे दे दूं, ट्रेन में चोरी हो सकती है. मैने भी सोचा कि ठीक ही बोल रहे है और सारे पैसे उन्हे दे दिये. हम ट्रेन मे चढ़ गये. वो अपनी सीट पर बैठ गये और मुझे एक सीट पर बैठा गये. कहने लगे की जब टी टी आयेगा तो सीट चेंज करवा लेंगे. ट्रेन चल पड़ी पर लगभग ६ घन्टे तक टी टी नही आया. ६ घन्टे बाद टी टी आया और मुझसे टिक्ट मांगने लगा. मैने सीट नम्बर बताया और कहा कि वहां मेरे शौहर बैठे है और टिक्ट उनके पास है. वो बिना कुछ बोले बाकियो का टिक्ट देख कर चल दिया. लगभग २० मिनट बाद वापस आया और मुझे बाहर की तरफ बुलाया. वो गेट के पास जा कर खड़ा हो गया और मै भी वहीं जा कर खड़ी हो गई. उसने मेरा नाम पुछा और लिस्ट चेक की. फिर मुझसे कहा, "मैडम आपका नाम लिस्ट मे नही और मुझे आपके पति कही नही मिले." मैने उनका नाम बताया तो उसने फिर लिस्ट देखा और कहा, "इस नाम से भी कोई आदमी नही है." मैने सीट नम्बर बताया तो उसने एक रेल्वे के हवलदार को बुला कर उस आदमी को बुलाने भेजा. मेरा दिल जोर जोर से धड़क रहा था. जब उस हवलदार के साथ मेरे शौहर को आते देखी तो जान मे जान आई.

उनके आते ही टी टी ने पुछा, "ऐ मिस्टर, इनका टिक्ट कहां है?" उन्होने मुझे देखा और कहा, "मुझे क्या पता? मै इनको नही जानता." मुझे तो काटो तो खून नही, मैने हड़बड़ा कर कहा, "ये क्या बोल रहे है?" टी टी ने बीच मे टोका और उनसे पुछा, "क्या नाम है आपका?" उन्होने कहा, "विश्वजीत सिंह." उसने मुझसे कहा, "विश्वजीत सिंह और डेजी परवीन, इन्टर्कास्ट मैरीज है क्या?" मैने कहा, "ये झूठ बोल रहे है." टी टी ने मुझसे पुछा कि मुझे कहा जाना है. मैने शहर

का नाम बता दिया, फिर उनसे पुछा तो कोई और नाम बताये. टी टी ने फिर उनसे पुछा, "कोई सबूत है आपके पास?" उन्होने एक कार्ड निकाल कर टी टी को दिया, टी टी ने पहले खुद देखा और फिर मुझे दिखाया. सच में तो वोटर आई डी कार्ड था और उनके फोटो के साथ उनका नाम विश्वजीत सिंह लिखा था. टी टी ने फिर पुछा, "मैडम आपके पास कोई सबूत है." मैने थोड़ी देर सोचा, पसीने से माथा गीला हो गया था. मैने धीरे से कहा, "मेरा समान इनके बैग में है, मैं बता सकती हूं कि क्या क्या है उसमे." टी टी ने फिर हवलदार को भेजा और बैग मंगवा लिया. मैने अपनी चीजे बताई तो वो अंदर देखने लगा. थोड़ी देर में मैने कहा कि अब तो यकीन हो गया आपको. उसने पूरा बैग मेरे सामने पलट दिया. मेरे तो छक्के छुट गये. बैग मे सिर्फ मर्दाना सामान था और कुछ नही. टी टी ने मुझसे कहा, "मैडम आपको फाईन के साथ टिक्ट लेना पड़ेगा." मैने पुछा, कितना. उसने बताया कि २२४८. मैने अपना पर्स खोला तो याद आया कि पैसे तो पहले ही ले चुके है. मैने धीरे से झिझकते हुए कहा, "पैसे नही है मेरे पास." टी टी ने कहा, "ठीक है, फिर अगले स्टेशन पर उतर जाना." बिना पैसो के एक अन्जाने शहर मे उतरना भी ठीक नही था. ये तो और बुरी स्थिति होती. मैने धीरे से कहा, "मुझे उतरना नही है." टी टी ने आवाज लगा कर दो और हवलदार को बुला लिया और मुझसे कहा, "मैडम आपको उतरना तो पड़ेगा ही."

अचानक मेरे शौहर ने टी टी से कहा, "एक मिनट साईड आना." टी टी उनके साथ अलग हो गया. हवलदार दूर खड़े थे, पर मै पास थी तो मुझे सुनाई पड़ रहा था उनकी बातें. वो टी टी से बोले, "जहां जाने की बात कर रही है उसमे अभी १२ घण्टे है." टी टी ने कहा, "तो?" वो बोले, "तो अंधे हैं क्या, दिखता नही है?" टी टी बोला, "क्या?" वो बोले, "ज़वानी नही दिखती क्या, क्या रसीली जवानी है, पैसे नही है, जाना भी है, उतरना भी नही है." टी टी थोड़े देर तक देखता रहा तो वो आगे बोले, "तो ट्रेन मे कोई जगह हो तो ले चलते है और १८ घण्टे मजा करते है." टी टी ने मेरे पलट कर गौर से देखा और बोला, "ठीक बोल रहे हो, पैसे और फाईन तो आते जाते रहते है, ऐसा माल मुश्किल से ही मिलता है. चलो बात कर के देखता हूं." इतने देर मे मुझे ये तो समझ आ गया कि वो मुझसे बदला लेने की कोशिश कर रहे है. पर इस स्थिति से निकलने की कोई आस नही दिख रही थी.

टी टी वापस आया मुझ तक और कहा, "ठीक है मैडम मै कुछ एडजेस्मेन्ट करता हूं. आप आईये मेरे साथ." टी टी आगे आगे और मै पीछे पीछे चल दी. दो बोगी के बाद एक डिब्बा आया जिसमे सिर्फ एक कम्पाटमेंट था और बाकि पुरा सामान भरा था. उसने मुझे वहां रोका और तब तक बाकी लोग भी आ गये. टी टी ने मुझसे कहा, "मैडम आप यहां रूक सकती है. ये हमेशा फ्री रहता है. और चार्ज भी कम है." मैने पुछा, "कितना चार्ज लगेगा." टी टी ने मेरे दोनो तरफ से हाथ ला कर मेरे गाड़ की गोलाईयो को सहलाते हुए कहा, "अब आप से पैसे थोड़े न लेंगे, आप कुछ और दे देना." मैने उसका हाथ झटक दिया, और कहा, "मै ये नही कर सकती." उसने एक भद्दी सी गाली दी और कहा कि अगले स्टेशन पर निचे फेक देगा मुझे. मुझे और कोई रास्ता समझ नही आ रहा था तो मैने धीरे से कहा, "नही ट्रेन से मत उतारये, आप

जो बोलिएगा मै करूंगी." टी टी ने मेरी गाड़ को फिर से पकड़ लिया और कहा, "पुरे सफर में तेरी तिक्का बोटी करूंगा और मेरे तीन आदमी भी मेरे साथ रहेंगे और जैसा चाहूंगा वैसा करूंगा." मैने सर झुका लिया. अचानक वो बोल पड़े, "और साहब, मैं?" टी टी ने उन्हे देखा और पुछा, "तुम्हे क्यो?" उन्होने कहा, "क्या साहब मैने सुझाव दिया और मुझे ही बाहर कर रहे है, अच्छा इसके फाईन का पैसा मैं दे दुंगा आपको?" टी टी ने थोड़ी देर सोचा फिर बोला, "अच्छा तू भी आ जा." मुझे अंदर जाने को कहा तो मैं अंदर चली गई. वो लोग भी अंदर आ गये और टी टी ने कम्पाटमेंट का गेट बंद कर दिया.

टी टी और एक हवलदार एक सीट पर, मेरे शौहर और एक हवलदार दूसरे सीट पर बैठ गये. मै दोनो सीट के बीच में खड़ी थी और एक हवलदार मेरे सामने खड़ा था. उसने मेरा पल्लु खींचा और नीचे गिरा दिया. एक बार को मेरा हाथ उठा कि मै अपने ब्लाऊज को ढक लू पर फिर मैने ऐसा नही किया. उस हवलदार ने मेरे ब्लाऊज के उपर से ही मेरे दोनो स्तनो को अपने दोनो हाथो मे पकड़ लिया और मसलने लगा. मैने अपने शौहर के तरफ देखा तो वो मुस्कुरा रहे थे. मेरे चेहरे पर दर्द की लकीरे उभरी तो मेरे शौहर बोल पड़े, "आराम से भई, इतने उतावले क्यो हो रहे हो." हवलदार ने गति कम कर दी. टी टी ने कहा, "अबे साले, अकेले ही खेलेगा, कि हमें भी माल दिखाएगा!" हवलदार को बात समझ आ गई और उसने जल्दी जल्दी बटन खोलना शुरू किया. जल्दबाजी मे मेरे ब्लाऊज के दो बटन टूट गये. मेरे शौहर फिर बोल पड़े, "इसको पहनाने के लिए कुछ नही है हमारे पास, कम से कम कपड़े तो मत फाड़." हवलदार ने धीरे धीरे ब्लाऊज उतार दिया और मेरे ब्रा के हुक खोल कर मेरी ब्रा भी मेरे बदन से उतार ली. मेरे स्तन नग्न हो गये पर मैने उन्हे भी छुपाने की कोशिश नही की. टी टी ने हवलदार को इशारा किया और मुझे खींच कर अपनी गोद में बिठा लिया. टी टी मेरे स्तनो से खेलने लगा और मेरे स्तनो को जोर जोर से मसलने लगा. मेरे शौहर फिर बोले, "आराम से साहब, लौंडिया को हमारे लायक रहने दिजिए." टी टी ने धीरे धीरे मसलना शुरू किया. मेरा दिल में तो मेरे शौहर के लिए बहुत गुस्सा आ रहा था, उनको सबक सिखाने का मन तो हो ही रहा था. मैने धीरे से टी टी के कान मे कहा, "आप तो कह रहे थे कि आप अपनी मन की करेंगे, पर यहां हुकुम तो कोई और दे रहा है." टी टी थोड़े देर सोचता रहा और उसने मेरे निप्पल को मुंह मे ले लिया. थोड़े देर निप्पल चुसने के बाद उसने धीरे से मेरे स्तनो के उपर काट लिया. मेरे शौहर फिर बोल पड़े, "आराम से साहब, क्या कर रहे है?" अचानक टी टी बिफर पड़ा, "तू सिखाएगा कि क्या करूं और क्या न करूं, बहुत देर से देख रहा हूं कि टांय टांय कर रहा है." टी टी ने मुझे गोद से उतारा और बगल मे बिठा दिया और बोला, "तेरे को साथ लेकर गलती की, साले मादरचोद पूरा मजा खराब करेगा उंगली कर कर के." एक हवलदार ने कहा, "गलती सुधार देते है, रफा दफा करो इसको यहां से." मेरे शौहर तो बोल ही नहीं पा रहे थे और हवलदारो ने उन्हे धक्के लगा कर बाहर करने लगे. टी टी भी उनके पीछे चल दिया. वो लोग मेरे शौहर को अगले बोगी मे धकेल कर दोनो बोगियो के बीच का दरवाजा बंद कर दिये. बाकि दरवाजे तो पहले से बंद थे.

इतना कर के वो लोग कम्पाटमेन्ट की तरफ वापस आ गये और अंदर घुस कर दरवाजा बंद कर दिये. मै खड़ी हो गई, मेरा पल्लु निचे पड़ा था, कमर से उपर एक भी कपड़े नही थे. टी टी ने कहा, "अब हम आराम से तेरी जवानी का मजा लेंगे."इतना कह कर टी टी ने मेरे कमर के पास मेरी पेटीकोट के अंदर दोनो तरफ से उंगली डाल दी और पेन्टी के अंदर उंगली फंसा कर जोर से नीचे की ओर खींच दिया. मैने पेटीकोट को थोड़ा ढीला ही बांधा था तो मेरी साड़ी, पेटीकोट और पेन्टी एक इलास्टिक वाले पेन्ट की तरह मेरी कमर से नीचे सरकती चली गई. मै हफ्ते मे दो बार नीचे के बालो की सफाई करती हूं और आज तो सुबह ही की थी. अचानक मुझे ख्याल आया जो इतनी अफरा तफरी मे ध्यान से उतर गया था. ये लोग ४ है और क्या मै ४ लोगो को एक साथ बर्दाशत कर पाऊंगी. इतना ख्याल आते ही मेरे पसीने छुट गये पर अब क्या हो सकता था, बर्दाशत तो करना ही पड़ेगा. मेरी साफ योनि देख कर वो आहें भरने लगे, कहने लगे कि कितना मजा आने वाला है. टी टी ने हवलदार से कुछ कहा और वो बाहर चला गया. टी टी ने मुझे कहा, "देखो हम कॉडम तो रखे नही है और बाहर गिराना हमारी आदत नही तो ये तुम्हे खुद ही देखना पड़ेगा." मै वैसे भी गर्भनिरोधक गोली खाती थी तो गर्भ ठहरने का कोई दिक्कत तो था नही फिर भी मैने कोई जवाब नही दिया.

इतने देर मे हवलदार वापस आ गया और साथ मे एक गद्दा ले आया. उसने दोनो सीटो के बीच गद्दा बिछाया और टी टी ने मुझे खींच कर गद्दे पर पीठ के बल लिटा दिया. सारे लोग अपने अपने कपड़े उतारने लगे. मै समझ गई कि अब ये लोग मेरा कीमा बनाने वाले है. टी टी ने मेरा हाथ पकड़ कर मुझे गद्दे पर पीठ के बल लिटा दिया. वो लोग अभी भी अपने अंडरवीयर पहने हुए थे. मेरे लेटते ही उन लोगो ने अपने अपने अंडरवीयर उतार दिये. उनका लण्ड देख कर मेरी जान ही सूख गई. मेरे शौहर के मुकाबले काफी बड़ा और लम्बा था सब का. आम तौर पर सीटो के बीच जितनी जगह होती है उससे ज्यादा जगह थी यहां. दो हवलदार मेरे अगल बगल में लेट गये. एक हवलदार मेरे दोनो टांगो के बीच बैठ गया. दोनो हवलदार जो मेरे आजू बाजू में लेटे थे, ने अपने एक एक टांगे मेरी टांगो पर चढ़ा दी. और अपने एक एक हाथ मेरे दोनो स्तनो पर रख दिया. टी टी सीट पर बैठ गया और उसने एक बैग खींच लिया. उस बैग से उसने एक शराब की बोतल निकाली और एक ट्रे मे चार गिलास डाल कर उसमे ढालने लगा. मेरे घर मे और ससुराम मे शराब तो चलता नही है तो मुझे बेचैनी सी होने लगी पर मै किसी भी प्रकार की बहस करने के स्थिति में नही थी. टी टी ने अपना ग्लास उठाया और पीते हुए बोला, "साले देख क्या रहे हो, गरम करो लौंडिया को." हवलदारो को शायद इशारे की देर थी, दोनो हवलदारो ने मेरे स्तनो को सहलाना और मसलना शुरू कर दिया, दोनो ने मेरे गले, और गाल को चुमना भी चालू कर दिया. अचानक जो हवलदार मेरे टांगो के बीच बैठा था उसने मेरे कमर को पकड़ा और मेरे योनि कर अपने होठ सटा दिये. मुझे तो जैसे ४४० वोल्ट का करण्ट लगा हो. वो मेरे योनि के दरारो को चाटने लगा. एक कोने से दूसरे कोने तक लगातार चाटने लगा. कुछ ही पलो में मेरी योनि पानी छोड़ने लगी और मेरे बदन में ऐंठन होने लगी. मै बदन ऐंठने की कोशिश करके लगी पर इतने मे दोनो बगल के हवलदारो ने मेरे टांगो पर दबाव बढ़ा दिया. दोनो हवलदारो ने मेरे स्तनो को मसलने के ब्जाय मेरी निप्पल को चुसना

शुरू कर दिया. यूं तो ये सब मेरी मर्जी से नहीं हो रहा था पर मेरे तन में आग लग रही थी. मैने पता नही किस सुध में दोनो हवलदारो के सर पर हाथ रख कर उनके बालो को सहलाने लगी. दोनो हवलदारो में से एक ने मेरे निप्पल को छोड़ा और टी टी से बोला, "साहब लौंडिया गरम हो गई." टी टी ने अपना ग्लास एक झटके में खत्म किया और बोला, "अब तुम लोग हटो मैं सम्भालता हूं इसको." सब मुझे छोड़ कर सीट कर चले गये.

टी टी मेरी टांगो के बीच आ गया. मेरे तन में तो आग लगी हुई थी मैने खुद ही अपनी टांगे दूर तक फैला दी और फुसफुसाते हुए बोल पड़ी, "साहब प्लीज जल्दी किजीए." टी टी मुस्कुराया और मेरे योनि के दरार पर अपना लण्ड रख कर एक झटके से अंदर डाल दिया. मैने भी अपनी टांगे उसकी कमर के आस पास लपेट ली. टी टी ने मेरे पीठ के इर्द गिर्द से मुझे बाहो मे भर लिया और हलके हलके झटके लगाने लगा. थोड़े देर में वो रुका और उनके अपने होठ मेरे होंठो से सटा दिये. शराब का भभका मेरे नथुनो में समा गया और शराब का स्वाद मेरे मुंह में भी आने लगा. मैने चोर नजरो से हवलदारो की तरफ देखा जो धड़ा धड़ ग्लास भर भर कर शराब पी रहे थे और बातें कर रहे थे. टी टी ने मेरे होंठो को छोड़ा और फिर झटके लगाने लगा. धीरे धीरे झटको में गति आने लगी और कुछ ही मिनट के बाद वो फिर रूका और मेरे होंठो को चुमने लगा. मैने चोर नजरो से फिर हवलदारो के तरफ देखा पर इस बार मेरे रौंगते खड़े हो गये. सारे हवलदारो में से एक मोबाईल के कैमरा से हमारी विडियो ले रहा है. जैसे ही टी टी ने मेरे होठों को छोड़ा और झटके लगाने को तैयार हुआ मैने टी टी से गिड़गिड़ाते हुए कहा, "साहब आप जो चाहते हैं मैं कर रही हूं, फिर मेरी विडियो क्यो बनवा रहे है." टी टी ९० डिग्री के कोण मे उठा और उसका लण्ड अभी भी मेरे योनि में फंसा था और मेरी टांगे उसके कमर के इर्द गिर्द लिपटी थी. उसने मुझे देखा और खींच कर एक थप्पड़ मारा और बोला, "साली रंडी, मुझे मत सिखा कि मुझे क्या करना है. तेरी जैसी रंडी रोज रोज नही मिलती, कमाल का बदन है तेरा एकदम तराशा हुआ रसदार. एक तो ये विडियो देख कर कभी कभी मजा लुंगा और बाकियो के विश्वास दिलाने के लिए कि एक जबरदस्त रंडी हम सब ने भोगा." उसके बाद मैने कैमरा के लिए कुछ नही कहा और टी टी वापस मेरे उपर लेट कर मुझे झटके देने लगा. इस बार उसके झटके ज्यादा लम्बे समय के लिए नही चले और वो मेरी योनि को अपने वीर्य से भिंगा दिया. थोड़े देर वैसे ही पड़ा रहा और फिर खड़ा हो गया. उसने बाकि हवलदारो से कहा, "अब तुम लोग भी निपट लो."

हवलदारो में से एक हवलदार उठा और मेरी टांगो के बीच आ गया. उनके आव देखा ना ताब एक झटके से अपना लण्ड मेरी योनि में घुसाने की कोशिश करने लगा. पर अव्वल तो उसका लण्ड बहुत लम्बा था और बहुत चौड़ा भी था. उनके मेरी कमर कस कर थामी और एक जोरदार झटका दिया और उसका लण्ड मेरी योनि को चीरते हुए अंदर समा गया. मेरे मुंह से चीख निकल गई. हवलदार मुस्कुराया और धीरे धीरे झटके लगाने लगा. वो भी थोड़े देर झटके लगाता रहा और रूक कर उसने मेरे होंठो को रस चुसने लगा. शराब का स्वाद मेरे मुंह में आने लगा. थोड़ा रूक कर उसने फिर झटके लगाना शुरू किया. इस बार जरा भी रूके बगैर उसने अपना वीर्य मेरी योनि मे छोड़ कर ही सांस ली और एक झटके से खड़ा हो

गया. मेरे योनि से सारा वीर्य बह कर बाहर आ रहा था. उसके जाते ही एक और हवलदार ने जगह ले ली और झटके लगाना शुरू किया. लगातार टांगे फैला कर रखने की वजह से मेरी जांघे दर्द करने लगी थी. हवलदार ने लगातार झटके लगा कर मेरी योनि में बाढ़ ला दी और उठ गया. उसके उठते ही अगला हवलदार मेरी टांगो के बीच आ गया. मैने हाथ जोड़ कर उससे कहा, "लगातार नही, थोड़े देर तो आराम करने दो." उसने मेरे दोनो हाथो को खोल कर अलग किया और मेरे योनि में अपना लण्ड घुसाता चला गया. मेरे योनि के दिवार जल रहे थे. मेरे मुंह से कराह फूट रही थी, हर झटके से मेरे मुंह से कराह निकल जाती थी. वो भी लगातार झटके लगाने के बाद अपना वीर्य छोड़ कर खड़ा हो गया. रिकार्डिंग अभी भी चल रही थी. टी टी ने कहा, "थोड़ी देर आराम कर ले फिर दुसरा राऊंड शुरू करते है." मैने समय देखा तो पता चला कि इनके साथ मुझे साढ़े चार घन्टे हो चुके है और अभी भी सफर का साढ़े सात घन्टे बाकी है. मै इतना थक चुकी थी की मै उसी गद्दे पर सो गई.

जब मेरी दोबारा आंख खुली दो मैने देखा कि दो हवलदार मेरे स्तनो से खेल रहे है. मैने समय देखा दो पता चला कि लगभग साढ़े चार घन्टे मै सो चुकी भी और मेरी मंजिल पहुंचने में और तीन घन्टे बाकी थे. मेरे उठते ही दोनो हवलदारो ने मुझे छोड़ दिया और टी टी ने मुझे उठा कर सीट पर बैठा दिया. वो खुद मेरे सामने बैठ गया और मेरे दोनो जांघो के बीच अपने पैर के तलवे रख दिये और मेरे जांघो के अंदर की तरफ और योनि को तलवो से सहलाने लगा. उसने मुझसे पुछा, "तेरी चुत तो बहुत जल रही होगी." मैने हां कह दिया. उनके फिर कहा, "हमारा लण्ड फिर से खड़ा हो गया है. कभी गाड़ मरवाई है." मेरा दिल जोर से धड़कने लगा, मैने न में सर हिलाया. उसने एक गिलास शराब डाली और मुझे दिया और कहा, "चल जल्दी से इसे गटक जा." मैने कहा, "मैने आज तक इसे नही पी और चढ़ गई तो तीन घण्टे में नही उतरेगी." टी टी ने कहा, "ट्रेन ६ घन्टे लेट है, उतर जायेगी तब तक, नही पियेगी तो बर्दाशत नही कर पायेगी." मैने ग्लास लिया और एक झटके से पुरा ग्लास पी गई. झम से असर हुआ और पुरा गला जलने लगा. मै युं ही कुछ देर बैठी रही और नशा चढ़ने लगा. हाथ पैर कांपने लगे तो टी टी ने मुझे उठा कर वापस गद्दे पर रखा और मुझे घोड़ी की तरह दोनो हाथो और घुटनो पर खड़ा कर दिया. टी टी ने मेरा पर्स खोला और एक क्रीम निकाल कर अपने उंगली में लगाई और मेरी गाड़ के अंदर लगाने लगा.

जब काफी क्रीम लगा चुका तो उसने कुछ क्रीम अपने लण्ड पर लगा. दो हवलदार दोनो तरफ से मेरे स्तनो के नीचे लेट गये पीठ के बल और मेरी निप्पल को अपने मुंह में ले लिया और चुसने लगे. टी टी ने अपना लण्ड मेरी गाड़ के छेद पर रखा और अंदर धकेलने लगा. मेरी गाड़ का छेद काफी टाईट था पर क्योकि क्रीम लगा था तो लण्ड अन्दर जाने लगा. जैसे जैसे लण्ड अंदर जा रहा था दर्द बढ़ते जा रहा था. आखिरकार पुरा लण्ड अंदर चला गया और टी टी धक्के लगाने लगा, शायद ये शराब का असर था कि दर्द अपेक्षा से कम महसूस हो रहा था. वो झटके लगाता रहा और मै सहती रही, पलट कर देखी तो पता चला कि एक हवलदार विडियो बना रखा था. खैर टी टी ज्यादा देर नही टिका और वीर्य बहा दिया. वो अलग हुआ तो जो हवलदार मेरे निप्पल चुस रहा था वो मेरी गाड़ का मजा लेने चला गया और जो

हवलदार मेरी विडियो बना रहा था वो कैमरा टी टी को पकड़ा कर मेरे निप्पल चुसने के लिए लेट गया. हवलदार ने अपना लण्ड मेरी गाड़ मे डाल दिया और धक्के लगाने लगा. हवलदार झुक कर मेरी दोनो बगलो से मेरे स्तनो के पकड़ लिया और मसलने लगा. लगातार घक्को के बाद वो वीर्य छोड़ कर अलग हुआ और मेरे स्तनो के निचे लेट गया और निप्पल चुसने लगा. बाकि दोनो हवलदारो ने भी बिना किसी बदलाव के मेरी गाड़ का मजा लिया.

उन सब के अलग होते ही मुझे महसूस हुआ कि गांड़ का छेद बहुत जब रहा था और चुस चुस कर इन लोगो ने मेरे निप्पलो को सुजा दिया था. थकान और नशे की वजह से मै गद्दे पर लेट गई और सो गई. जब उठी तो भी सारे हरामी वही थी. मेरे कपड़े गायब थे. मेरे कुछ पुछने से पहले वे खुद बोले कि कपड़े इस्त्री को गये है, आ जाएंगे. समय देखा तो पता चला कि अभी एक घण्टा बाकी है. समय देखते टी टी ने देख लिया और कहने लगा, "जानेमन अभी एक घण्टा और बाकि है." वो अपना लण्ड सहला रहा था, मैने उसके लण्ड की तरफ देखा और फिर उसके चेहरे की तरफ. उसने कहा, "क्या ख्याल है, एक बार फिर हो जाये." मैने हाथ जोड़ कर कहा, "मेरे दोनो छेद जल रहे है."

उसने मेरे हाथ पकड़ कर मुझे अपनी टांगो के बीच में खींचा और मेरे सर को अपने लण्ड की तरफ दबाया. वो कहने लगा, "ठीक है, कोई बात नही, चूस तो सकती है." मैने जिन्दगी मे कभी किसी का लण्ड नही चूसा था पर मरती क्या न करती, उसका लण्ड मुंह में लेकर चुसने लगी. वि कभी मेरे स्तनो को मसलता, कभी मेरे चुत्तड़ो पर हाथ फिराता कभी निप्पल उमेठता. लगातार बीस मिन्ट के बाद वो मेरे मुंह मे पिच्कारा छोड़ने लगा. कुछ गये के निचे चला गया. बाकि मैने उगल दिया. वो हटा तो तीनो हवलदार सामने आ कर बैठ गये. मैने फुसफुसाते हुए कहा, "४० मिनट है स्टेशन के लिए, तीनो का नही निकाल सकती." टी टी ने बीच में पड़ कर कहा, "एक का चुस कर निकाल ले बाकि दोनो का मुठ मार दे, मतलब हाथ से सहला कर निकाल दे." मैने सर हिलाया और बीच वाले का लण्ड मुंह में लेकर चुसके लगी और अगल बगल वालो का लण्ड हाथ मे लेकर सहलाने लगी. तीनो मेरे चुत्तड़ो से और मेरे स्तनो से खेल रहे थे और टी टी मेरी विडियो बना रहा था. लगभग २० मिन्ट मे तीनो ने लगभग एक साथ पिच्कारी छोड़ी और उठ कर कपड़े पहनने लगे.

टी टी मोबाईल बंद कर दिया और मुझे बताया कि एक बाथरूम है बोगी में वहां जा कर नहा लूं तब तक कपड़े मंगवा देगा. मैने पर्स से कुछ मेकअप का सामान निकाला और अपना नोकिया एन ९७ का मोबाईल निकाला. मैने टी टी से गुजारिश भरे अंदाज से कहा, "साहब, जो रिकार्डींग करे है मुझे भी दे दिजिए." टी टी ने कहा, "क्यों, तू क्या करेगी इसका." मैने मुस्कुराते हुए कहा, "आप लोग जैसा मर्द नही देखी हूं, मुझे भी याद रहेगा." टी टी ने मेरा मोबाईल ले लिया और रिकार्डींग कापी करने लगा. मै बाथरूम में जा कर नहाने लगी. नहा कर मैने मेकअप किया और बाल ठीक किया औ बिना कपड़ो के वापस आ गई. जब कम्पाटमेन्ट में पहुंची तो कपड़े आ चुके थे और सारे हवलदार जा चुके थे. सिर्फ टी टी बैठा था. मैने उसके सामने ही कपड़े पहने और उसने मुझे मोबाईल वापस दिया. मैने अपना बैग

सम्भाला तो पाया कि उसमे ५००० रूपये पड़े है. मैने टी टी को देखा तो वो मुस्कुराया और बोला, "मेरी तरफ से तुछ भेंट, रख ले." मैने कुछ नही कहा और एक बार मोबाईल चेक की, सारे विडियो आ गये थे. टी टी ने एक थर्मस से कॉफी निकाली और मुझे दो कप लगातार दी. मेरी सारी थकान कुछ कम हुई. जैसे ही स्टेशन आया टी टी ने दरवाजा खोल कर मुझे उतार दिया और हाथ हिला कर मुझसे विदा ली. स्टेशन के गेट पर मेरे शौहर खड़े थे टैक्सी के साथ.

जैसे ही मैं बगल से निकली वो बोले, "डेजी, टैक्सी में बैठो." मैने गुस्से मे कहा, "याद आ गया हमारा रिश्ता, उस समय तो याद नही आ रहा था." मेरे शौहर ने टैक्सी ड्राईवर की तरफ देखा तो मै चुप चाप टैक्सी में बैठ गई." रास्ते में एक रेश्टोरेन्ट मे रूके नाश्ता करने को और नाश्ता कैबिन मे मंगवा लिया. नाश्ता आने के बाद मेरे शौहर ने मुझसे पुछा, "कुछ किये तो नही तुम्हारे साथ वो लोग." मुझे गुस्सा तो था ही बोल पड़ी, "नही! बड़े प्यार से मुझे बैठा कर मुझसे कहा कि बहन बहुत दिन बाद मिली है, मुझसे राखी बंधवाई और मेरी आरती उतारने लगे. फिर मुझे मिठाई खिलाए." मेरे शौहर ने सर झुका कर मुझसे मांफी मांगा और कहा, "सोचा कुछ और था हो कुछ और गया." मैने मोबाईल निकाल कर उनको दिया और कहा, "देख लिजिए कैसी खातिरदारी की है मेरे भाईयो ने मेरी." वो मोबाईल लेकर विडियो देखने लगे. मैने नास्ता पुरा किया और हम लोग शादी के फंक्शन के लिए चल दिये. फंक्शन तीन दिन का था और फिर ट्रेन से वापसी.

वापसी में भी रंडी बाजी की. पर वो किसी और भाग मे.